प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

राष्ट्रीय मत्स्य पालक दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

पंतनगर। 10 जुलाई 2021। विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय मत्स्य पालक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के सभागार में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नाहेप द्वारा वित्त पोषित था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलसचिव, डा. ए.के. शुक्ला के साथ कार्यवाहक अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान, डा. अमिता सक्सेना, अधिष्ठाता कृषि, डा. एस.के. कश्यप, पूर्व अधिष्ठाता मत्स्य, डा. ए.के. उपाध्याय एवं विभागाध्यक्ष एक्वाकल्चर, डा. अवधेश कुमार मंचासीन थे।

डा. एस.के. शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय मत्स्य पालन कार्यक्रम का उद्देश्य मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सफल मत्स्य पालन का आधार गुणवत्तायुक्त मत्स्य बीज है और मत्स्य वैज्ञानिक मत्स्य बीजों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नवीन शोध एवं प्रयास कर रहें हैं। डा. शुक्ला ने बताया कि खेती के साथ किये जाने वाले सह-व्यवसायों में मत्स्य पालन सह-व्यवसाय अतिरिक्त आय हेतु किसानों की पहली पसंद है। उन्होंने कहा कि मत्स्य वैज्ञानिकों को उच्च गुणवत्ता के मत्स्य बीजों के साथ-साथ बीमारियों एवं अन्य समस्याओं के सामाधान हेतु सरल तरीके इजाद करने की आवश्यकता है। डा. शुक्ला ने आग्रह किया कि मत्स्य पालक विश्वविद्यालय के संपर्क में रहे और नवीन जानकारियों एवं तकनीकियों को अपनाकर मत्स्य पालन को उत्कृष्ट बनायें।

डा. एस.के. कश्यप ने कहा कि मत्स्य पालकों का योगदान देश की आर्थिक अर्थव्यवस्था में है इस लिए कृषकों का मत्स्य पालन व्यवसाय में अधिक संभावना है। उन्होंने कहा कि इस संभावना को मत्स्य वैज्ञानिक और कृषक मिलकर सार्थक बना सकते है। डा. कश्यप ने कहा कि मत्स्य पालन में मत्स्य प्रजनन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है और इस तरफ ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि किसानों को उच्चगुणवत्ता के मत्स्य बीज प्राप्त हो सके।

डा. अमिता सक्सेना ने बताया कि राष्ट्रीय मत्स्य पालक दिवस मनाने में डा. हीरा लाल चौधरी का महत्वपूर्ण योगदान है जिसके कारण मत्स्य उत्पादन में भारत विश्व में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने मत्स्य महाविद्यालय से मत्स्य पालकों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

इससे पूर्व डा. ए.के. उपाध्याय ने सभी का स्वागत किया एवं कार्यक्रम की रूप-रेखा बतायी। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया, जिसमें चन्दन सिंह, प्रथम, गौरव उपाध्याय, द्वितीय एवं हरीश शर्मा, तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा मत्स्य पालकों को मत्स्य बीजों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में डा. आशुतोष मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. अनुप सचान ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कृषक उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मत्स्य पालकों को संबोधित करते कुलसचिव, डा. ए.के. शुक्ला।